अनुक्रम

- ❑ पुरोवाक् 05
- ❑ अपनी बात 07
- ◆ राजस्थान की संगीत परम्परा पर ऐतिहासिक दृष्टि 09
- ◆ महाराजाओं की गायिकाएँ 44
- ◆ Some eminent artists during the reign of Maharaja Man Singh of Jodhpur 49
- ◆ राजदरबार की संगीतज्ञ महिलाएँ 55
- ◆ गायिकाओं की महफिलें 59
- ◆ दरबारी कलावन्त 64
- ◆ दरबारी कलाकारों की स्थिति 66
- ◆ जोधपुर रियासत की भारतीय संगीत को देन 70
- ◆ जोधपुर रियासत का तालीमखाना 73
- ◆ मारवाड़ के नामचीन कलाकार 79
- ◆ जोधपुर की हवेली संगीत परम्परा 86
- ◆ जोधपुर की पखावज परम्परा 94
- ◆ जोधपुर के बीनकार व सारंगीवादक 98
- ◆ पुष्टिमार्गीय आचार्य पं. लीलाधर शर्मा की संगीत परम्परा 101
- ◆ तबला आचार्य : पं. मोहनलाल जोशी 105

- प्रयोगवादी गिटार वादक : सतीश खानवलकर 109
- जयपुर घराने के प्रतिनिधि गायक : राजेन्द्र वैष्णव 113
- संगीताचार्या शांति सहल 116
- ग्वालियर घराने की गायकी का नया अंदाज : मुकुन्द क्षीरसागर 120
- महाराजा गजसिंह मारवाड़ की सांगीतिक अभिरुचि 124
- सूर्यनगरी का स्वरविलास 127
- राजस्थान का संगीतजीवी वर्ग (18-19वीं शती) 131
- राजगायिका मगीबाई की गान-परम्परा 135
- शास्त्रीय संगीत का साहित्य-बोध 139
- वर्धन वंशकालीन सांगीतिक संदर्भ 143
- संगीत साधकों की अनकही कहानी 146
- उत्तर-मध्यकालीन संगीतज्ञों की आर्थिक समीक्षा 148
- Sangeet Prakash of Udaipur Riyasat 152
- किशनगढ़ के अज्ञात संगीतज्ञ 157
- समीक्षा 19वीं शती के महफिलों की 164
- भारतीय संगीत का राजस्थान में रचित वैज्ञानिक साहित्य 167
- पं. बी.एन्. क्षीरसागर की स्वर-साधना 170
- मेवाती गायकी के पुरोधा : घघ्घे नजीर खां 174
- वैष्णव परम्परा के मूर्धन्य गायक : पं. हुकमदास वैष्णव 176
- मध्यकालीन राग-वर्गीकरण और गिरिधर मिश्र 178

❑❑❑